CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-207
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

जंज़ीरें, जंज़ीरें ही हैं, चाहे वे लोहे की हों या सोने की, वे समान रूप से तुम्हें गुलाम बनाती हैं।
- स्वामी रामतीर्थ

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शनिवार 02 नवम्बर 2024

दीवाली की रात सबसे ज्यादा हाजीपुर में खराब हुई हवा, 340 पहुंचा एक्यूआई

पटना, दीवाली की रात राजधानी की हवा पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम प्रदूषित हुई। इससे राजधानीवासियों को बड़ी राहत मिली, लेकिन पटाखों की तेज आवाज ने परेशानी बढ़ा दी।शांत क्षेत्र में भी काफी शोर हुआ है। राजधानी में कुछ जगहों पर पीएम टू की मात्रा सामान्य से अधिक दर्ज की गई। हालांकि, राजधानी में कहीं भी वायु प्रदूषण की स्थिति खतरनाक स्तर तक नहीं पहुंची और पिछले वर्ष की तुलना में कम वायु प्रदूषण हुआ।पिछले वर्ष दीवाली की रात राजधानी में एक्यूआई 333 था, इस बार 230 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। यानी पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 103 एक्यूआई कम है। यह स्थिति राजधानीवासियों के लिए काफी राहत देने वाली है।

प्रशासन की कड़ाई एवं लोगों की जागरूकता से वायु प्रदूषण में आई कमी बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला ने कहा कि इस वर्ष प्रशासन की कड़ाई एवं लोगों की जागरूकता से वायु प्रदूषण में कमी आई। प्रशासन की ओर से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कई स्तर पर काम किया गया। सड़कों पर निरंतर पानी का छिड़काव होने से उसका असर देखा गया। इसके अलावा स्कूल-कालेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने का भी प्रभाव इस वर्ष देखा गया। दैनिक जागरण भी लोगों को पटाखे को लेकर जागरूक करता रहा कि इसका कितना अधिक कुप्रभाव होता है।

तेज हवा ने भी दी लोगों को राहत विशेषज्ञों का कहना है कि इस वर्ष दीवाली की रात हवा की गति 5 से 7 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के कारण लोगों को थोड़ी राहत मिली। हवा तेज होने के कारण राजधानी के आकाश में प्रदूषण का लेयर नहीं बन सका। तेज हवा के कारण धुआं बिखर जा रहा था। यह सिलसिला पूरी रात जारी रही। साथ ही वातावरण में आजकल नमी कम होने के कारण धूलकण का बिखराव हो जा रहा है।

हाजीपुर में हाइवे निर्माण के कारण एक्यूआई 340 पर पहुंची दीवाली की रात वायु प्रदूषण की मात्रा राज्य में सबसे ज्यादा हाजीपुर में रिकॉर्ड की गई। वहां पर 340 एक्यूआई रिकॉर्ड की गई। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डी.के.शुक्ला का कहना है कि हाजीपुर में हो रहे वायु प्रदूषण का मुख्य कारण पटाखा नहीं है। प्रदूषण से दीवाली को कोई लेना देना नहीं है। वर्तमान में वहां पर हाइवे का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वायु प्रदूषण हो रहा है। उस पर भी नियंत्रण के लिए निर्माण एजेंसी को बोला गया है, अगर निर्माण एजेंसी समुचित कार्रवाई नहीं करती तो उसके खिलाफ बोर्ड कार्रवाई करेगा।

सामान्य दिनों की तुलना में दीवाली की रात वायु प्रदूषण में वृद्धि सामान्य दिनों की तुलना में दीवाली की रात राजधानी के वातावरण में वायु प्रदूषण में वृद्धि दर्ज की गई। राजधानी में चार जगहों पर वायु प्रदूषण का डाटा संग्रह किया गया। सभी जगहों पर सामान्य दिनों की तुलना में दीवाली की रात वायु प्रदूषण में वृद्धि हुई। खासकर पीएम-10 में काफी बढ़ा था। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद कार्यालय में दीवाली के एक दिन पहले एक्यूआई 54 रिकार्ड किया गया, वहीं दीवाली की रात यहां पर 188 पहुंच गया। वहीं बेल्ट्रान भवन के पास दीवाली से एक रात पहले पीएम-10 की मात्रा 64 था, जो दीवाली की रात बढ़कर 110 हो गया। बोरिंग रोड चौराहा के पास दीवाली से पहले वायु प्रदूषण की मात्र 49 एक्यूआई थी, जो दीवाली की रात बढ़कर 172 हो गई। वहीं अशोकराज पथ दीवाली से पहले 97 एक्यूआई था, जो दीवाली की रात बढ़कर 186 एक्यूआई हो गया।

पिछले वर्ष की तुलना में वायु प्रदूषण की स्थिति (एक्यूआई में)

वर्ष	दीवाली के पूर्व की स्थिति	दीवाली की रात की स्थिति
2023	326 बहुत खराब	333 बहुत खराब
2024	185 मध्यम	230 खराब

शांत क्षेत्र में हुआ शोर राजधानी में बेल्ट्रान के पास ध्वनि प्रदूषण सर्वाधिक रिकॉर्ड किया गया। वहां पर वायु प्रदूषण रात्र 10 से 11 बजे के बीच 70.7 डेसीबल रिकार्ड किया गया। बेल्ट्रान का इलाका शांत क्षेत्र में आता है लेकिन वहां पर ध्वनि प्रदूषण इतना ज्यादा होना बेहद खतरनाक माना जाता है। वहीं शाम को यहां पर 56 एवं देररात 69.6 डेसीबल ध्वनि की मात्रा रिकॉर्ड किया गया।

चिंगारी से पटना सिटी में 8 जगहों पर लगी भीषण आग

धू-धूकर जला लाखों का सामान

पटना, जिला प्रशासन की सख्ती और तमाम आदेश- निर्देश के बावजूद दीपावली में जमकर आतिशबाजी हुई। करोड़ों रुपये के पटाखों से आसमान पट गया। हर तरफ से बारूद की महक उठ रही थी। काले धुएं के बीच दम्मा के मरीज, वृद्ध व बच्चे खांसते दिखे। एक तरफ त्योहार की खुशियां खिलखिला रही थी तो दूसरी ओर पटाखों की चिंगारी से कोई तबाह हो रहा था। पटना सिटी अनुमंडल के चार थाना क्षेत्रों में आठ जगहों पर लगी आग में लगभग 70 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। अग्निशमन की टीम फायर आफिसर गयानंद सिंह के नेतृत्व में दीपावली की रात से लेकर शुक्रवार की सुबह तक आग बुझाने के लिए यहां से वहां तक दौड़ती-भागती रही। छोटे-बड़े 20 दमकल की मदद से आग बुझाई गई। सुकून इस बात का रहा कि कई जगहों पर लगी भीषण से केवल सामान जलकर राख हुआ। किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। आग लगने से हुई इन घटनाओं से नुकसान को कम करने की कोशिश के दौरान समाज के सभी धर्म व समाज के लोगों की एकजुटता देखने को मिली। जिसे जितना और जैसे मौका मिला सभी ने आग पर छत, दीवार, बालकोनी से पानी डाल कर बुझाने में सहयोग किया।

यहां हुई घटना

घटना 1 : चौक थाना अंतर्गत हरि मंदिर गली में गुरुवार की शाम एक खिलौना दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते साबरा खातून की दुकान में रखे हजारों रुपये के खिलौने राख हो गए। खाली पड़े पुराने मकान में यह दुकान थी। अग्निशमन बुलेट के पाइप को मोटर से जोड़कर आग बुझायी गयी। इसमें स्थानीय नागरिकों ने भरपूर सहयोग किया।

घटना 2 : आलमगंज थाना क्षेत्र के मठ लक्ष्मणपुर कोयरी टोला देवी स्थान के समीप गुरुवार की रात करीब बारह बजे दो फर्नीचर और एक अलीमारा कारखाना व गोदाम में आग लग गयी। फर्नीचर धू धू कर जल गया। फायर आफिसर ने बताया कि यह तीनों कारखाना मोहम्मद नासिर, मोहम्मद एकराम और शमीम अंसारी का था। आतिशबाजी के दौरान चिंगारी गिरने से कारखाना में आग लग गई।

घटना 3 :सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के दरगाह रोड में नीम तल पीली कोठी के समीप गुरुवार की रात लगभग 12ः40 बजे सोफा के दो कारखानों में पटाखों की चिंगारी से आग लग गई। तैयार व निर्माणाधीन दर्जनों सोफा व अन्य सामान जल गया। आसपास के लोगों ने टंकी व मोटर से आग पर लगातार पानी डाला । काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

घटना 4: खाजेकलां थाना क्षेत्र %के मच्छरहट्टा स्थित सजावट की एक दुकान में गुरुवार की रात करीब ग्यारह बजे आग लग गई। मौके पर पहुंचे फायर आफिसर गयानंद सिंह ने बताया कि मुकेश कुमार की दुकान का सामान जल गया। आग लगने की वजह पटाखे की चिंगारी थी। दो बड़े और एक छोटे दमकल से यहां की आग बुझाई गई।

घटना 5 : सुल्तानगंज थाना अन्तर्गत साहेब कालोनी स्थित एक मकान की छह पर रखी सेंट्रिंग की लकड़ी में आग लग गयी। फायर आफिसर ने बताया कि मोहम्मद मोईनुल की छत पर सेंट्रिग की सारी लकड़ियां जल गयी। यह आग पटाखे की चिंगारी से लगी थी। घर तक पहुंचने का रास्ता संकीर्ण होने के कारण अग्निशमन बुलेट की मदद से आग बुझाई गई।

घटना 6 : सुलतानगंज थाना क्षेत्र के अंबेडकर कालोनी के समीप जमा कर रखे गए कबाड़ी में गुरुवार की रात करीब ग्यारह बजे आग लग गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। एक छोटे दमकल की मदद से आग बुझायी गयी। यह आग भी पटाखे की चिंगारी से लगने की बात अग्निशमन कर्मियों ने कही।

दो आईपीएस समेत बिहार पुलिस के 9 पदाधिकारियों का ट्रांसफर

पटना, बिहार सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के दो पदाधिकारियों एवं बिहार पुलिस सेवा (बिपुसे) के 9 पदाधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया। साथ ही, बिपुसे के दो पदाधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पटना जिला में दानापुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-1 भानु प्रताप सिंह बनाए गए हैं। वे 2021 बैच के आईपीएस हैं। वहीं, दानापुर की एसडीपीओ सुश्री दीक्षा (2021 बैच) को स्थानांतरित कर अपराध अनुसंधान विभाग में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थापित किया गया है। सभी पदाधिकारियों को यथा शीघ्र अपने नये पदस्थापना वाले स्थान पर योगदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे विधि व्यवस्था के संधारण में सुधार होगा।गृह विभाग द्वारा गुरुवार को जारी अधिसूचना के अनुसार बिहार पुलिस सेवा (बिपुसे) के पदाधिकारी राकेश कुमार को शेखपुरा का एसडीपीओ, अनोज कुमार को विशेष शाखा, पटना में अपर पुलिस अधीक्षक, हुलास कुमार को नवादा सदर का एसडीपीओ-1, सुबोध कुमार को पूर्णिया के बनमनखी का एसडीपीओ, सारण की पुलिस उपाधीक्षक, यातायात बसंती टुडडू को सारण के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।इसी तरह मोतिहारी की पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) कुमारी दुर्गा शक्ति को एसडीपीओ, पकड़ीदयाल का अतिरिक्त प्रभार, सीमा देवी को मुजफ्फरपुर, नगर का एसडीपीओ-1 के पद पर पदस्थापित स्थानांतरित करने के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक, मुजफ्फरपुर (साईबर क्राइम) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, सुशील कुमार को शिवहर का एसडीपीओ, पंकज कुमार शर्मा को पूर्णिया नगर का एसडीपीओ-1, पुष्कर कुमार को अपराध अनुसंधान विभाग, पटना में पुलिस उपाधीक्षक एवं अनिल कुमार को को बिहार विशेष सैन्य पुलिस बल-1 पटना में पुलिस उपाधीक्षक पद पर तैनात किया गया है।

पटना में एएसआई ने गोली मार कर की खुदखुशी

प्रेशर की बात कह कर रो पड़े पिता

पटना. बिहार के पटना में एक एएसआई ने शुक्रवार (1 नवंबर) को सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली है. गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित ट्रैफिक संचालन कार्यालय एकता भवन के बैरक में एएसआई की लाश मिली है. मौके पर सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत और एफएसएल की टीम पहुंच कर जांच में जुटी है.

आरा के रहने वाले थे एएसआई मृतक की पहचान अजीत सिंह के तौर पर हुई है, जो आरा के रहने वाले थे. वे पुलिस लाइन में तैनात थे. बताया जाता है कि जहां पर मृतक की बॉडी पड़ी हुई है, वहां पर से सटे बहुत सारे बेड हैं. एक छत के नीचे कई पुलिस कर्मी रहते हैं. एएसआई आत्महत्या मामले में सिटी एसपी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि हर बिंदु पर जांच चल रही है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

क्या है सिटी एसपी का कहना? जब सिटी एसपी से पूछा गया कि अजीत सिंह छुट्टी नहीं मिलने के कारण परेशान थे, तो इस पर सिटी एसपी ने कहा कि सभी मामले की जांच की जा रही है. एफएसएल टीम भी जांच कर रही है. वहीं इस मामले में एएसआई के पिता विनोद सिंह ने कहा कि हमने दीपावली में बुलाया था वह नहीं आए. मैंने कहा कि छठ में आ जाओ. उन्होंने कहा कि कहां छुट्टी मिलेगी. छुट्टी मिला तभी आ पाएंग े.सिविल कोर्ट पेशकार की चाकू घोंपकर हत्या

पत्नी के भाई पर लगा है आरोप पूर्णिया, पूर्णिया में सिविल कोर्ट पेशकार को चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या का आरोप मृतक स्वर्गवासी पत्नी के छोटे भाई पर लगा है। घटना सहायक खजांची थाना क्षेत्र के डीएसए ग्राउंड के पास की है, जहां दोस्त के साथ मेला घूमने आए सिविल कोर्ट पेशकार को नकाबपोश ने चाकू घोंप कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान पार्वती हाता निवासी रामनाथ प्रसाद के पुत्र गौरव कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई

पत्नी की हत्या का था आरोपी घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि बीते 20 मई को गौरव की पत्नी प्रियंका कुमारी की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई थी। मौत के बाद प्रियंका के परिजनों ने पेशकार गौरव सहित उनके माता पिता पर हत्या का आरोप लगाया था। वहीं गौरव बायसी कोर्ट में पेशकार का काम करते थे। घटना के बाद से ही करीब छह माह से घर छोड़कर फरार थे। बेल को लेकर गौरव पटना हाईकोर्ट में फाइल किया था, जहां हाईकोर्ट के द्वारा पेशकार गौरव की गिरफ्तारी को लेकर रोक लगा दिया था। दो दिन पूर्व ही गौरव पटना से पूर्णिया आए थे और डीएसए ग्राउंड के पास रूम लेकर रह रहे थे।

पत्नी के छोटे भाई पर लगा हत्या का आरोप घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि शुक्रवार देर शाम पेशकार गौरव अपने दोस्त के साथ मेला घूमने के आए थे। इसी दौरान मृतक की स्वर्गवासी पत्नी प्रियंका कुमारी का छोटा भाई गमछा औढ़कर आया और उसके सीने में चाकू घोंपकर दिया। हालांकि घटनास्थल पर

मौजूद आरोपी के दोस्तों ने आरोपी युवक को पड़कने की कोशिश की, लेकिन वह चकमा देकर फरार हो गया। आननफानन में दोस्तों ने इलाज के लिए गौरव को पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि मृतक की स्वर्गवासी पत्नी के छोटे भाई ने इस घटना को अंजाम दिया है।